

दिया। उसने १५१० वां अट्टुभूल्य भर ली। सिकन्दर लोदी के लोगों के बीच
जीत नहीं रहा और १५१७ ई० में उसकी मृत्यु हो गई। श्री बुल अधिक समय तक
सिकन्दर लोदी की धार्मिक चरिति

लोदी सुल्तान सामान्यतः मुसलमानों के प्रति उदार है। उसने धर्म का प्राप्त
किया और विद्वानों का आदर किया। प्रशासनिक नियुक्तियों में अफगानों को प्राप्ति
ही। मण्डरेल और अवनन्तगढ़ में हिन्दू मन्दिरों की जिसकर उसके स्थान पर मीठांड
बनवाई। इस प्रकार सिकन्दर लोदी ने जितने भी युद्ध किए उसमें उसकी धार्मिक भावना